



## भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

# वानिकी समाचार

वर्ष 13 सं. 10 अक्टूबर 2021

75  
आज़ादी का  
अमृत महोत्सव

### अनुक्रमिका

	पृष्ठ सं.
आजादी का अमृत महोत्सव	01
महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	02
परामर्श	03
कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/बैठकें	04
प्रशिक्षण कार्यक्रम	05
समझौता ज्ञापन	07
प्रकृति कार्यक्रम	07
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	07
आकाशवाणी के माध्यम से वानिकी का प्रचार	07
विविध	08
मानव संसाधन समाचार	09

### आजादी का अमृत महोत्सव

- भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने 7 अक्टूबर 2021 को "पर्यावरण सुरक्षा हेतु एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग से बचाव" पर एक व्याख्यान आयोजित करके आइकॉनिक सप्ताह मनाया।
- व.अ.के-इ.पु., प्रयागराज द्वारा 7 अक्टूबर 2021 को "एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग से बचाव" विषय पर एक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- व.आ.वृ.प्र.सं. ने 4 से 10 अक्टूबर 2021 तक "एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग से बचाव" विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके आइकॉनिक सप्ताह 2021 मनाया।
- का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरु ने 11 अक्टूबर 2021 को "चंदनकाष्ठ की खेती और इसका स्वास्थ्य प्रबंधन" पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देश भर के हितधारकों और किसानों ने भाग लिया।
- का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरु ने एकल उपयोग प्लास्टिक के प्रभाव पर व्याख्यान आयोजित करके 6 अक्टूबर 2021 को आइकॉनिक सप्ताह मनाया। सीएनएन का वृत्तचित्र "मिडवे: ए प्लास्टिक आइलैंड" भी प्रदर्शित किया गया।
- व.व.अ.सं., जोरहाट ने 4 अक्टूबर 2021 को "एकल उपयोग प्लास्टिक" के उपयोग से बचाव के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।
- व.अ.के.-आ.वि., अगरतला ने 9 अक्टूबर 2021 को "एकल-उपयोग प्लास्टिक के उपयोग से बचाव के लिए जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया। समाज शक्ति सोसाइटी (महिला एनजीओ), यूथ फॉर इंटीग्रेशन एंड डेवलपमेंट इनिशिएटिव फॉर सस्टेनेबल एडवांसमेंट (डीआईएसए) के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने 6 अक्टूबर 2021 को "एकल उपयोग प्लास्टिक – आइकॉनिक सप्ताह समारोह" पर बैठक आयोजित की।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने 16 से 21 अक्टूबर, 2021 तक "कार्बन पृथक्करण एवं राजस्थान वन" पर व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम में शु.व.अ.सं., अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।
- हि.व.अ.सं., शिमला ने 4 से 10 अक्टूबर 2021 तक एकल उपयोग प्लास्टिक की रोकथाम के लिए आइकॉनिक सप्ताह अभियान मनाया और 8 अक्टूबर 2021 को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।



व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबतूर में एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग से बचने पर जागरूकता कार्यक्रम



हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा ग्रामीणों हेतु पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम

- हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा 13 अक्टूबर 2021 को खतनोल, खतनोल पंचायत, बसंतपुर ब्लॉक, जिला शिमला में 'ग्रामीणों हेतु पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम' आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, युवा क्लब और महिला मंडल सहित 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने आइकॉनिक सप्ताह मनाया और इस अवसर पर 6 अक्टूबर 2021 को "एकल उपयोग प्लास्टिक उन्मूलन" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में 89 वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- व.उ.सं., रांची ने 8 अक्टूबर 2021 को आइकॉनिक सप्ताह के अवसर पर सरकारी स्कूल, लालगुटवा, रांची में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।
- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बतूर में वन आनुवंशिक संसाधनों और वृक्ष सुधार पर एनविस रिसोर्स पार्टनर ने 7 अक्टूबर 2021 को वन्यजीव सप्ताह 2021 का आयोजन किया। विद्यार्थियों और जनता के लिए "वन्यजीव का महत्व" विषय पर एक ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।



हि.व.अ.सं., शिमला में एकल उपयोग प्लास्टिक से बचाव पर जागरूकता कार्यक्रम



व.अ.के-पा.पु., प्रयागराज में एकल उपयोग प्लास्टिक से बचाव पर जागरूकता कार्यक्रम



व.उ.सं., रांची में एकल उपयोग प्लास्टिक उन्मूलन पर वेबिनार



व.उ.सं., रांची द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान

## महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

### वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- भाकृअनुप-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, पंचकुला के फार्म में बांस की 18 प्रजातियों तथा पीएयू लाडोवाल, लुधियाना के सीड फार्म में बांस की 11 प्रजातियों के स्थापित बांस वाटिका का अनुरक्षण किया गया।
- 5बी/सी1ए शुष्क शिवालिक साल वन में मोहंद, सहारनपुर वन प्रभाग, (उत्तर प्रदेश) में शिवालिक; 3सी/सी2ए आर्द्र शिवालिक

साल वन में करवापानी और असरोरी, देहरादून वन प्रभाग, (उत्तराखंड) में 13-24 अक्टूबर 2021 तक 6 दिनों का क्षेत्र नमूना सर्वेक्षण किया गया। शलभ के नमूने और संग्रह के लिए सीएफएल लैंप सहित एक मोथ स्क्रीन का उपयोग किया गया। प्रति दिन तीन घंटों (सायं 7:30 बजे से 10:30 बजे) तक शलभों के नमूने लिए गए। 5 कुलों से संबंधित शलभों की 29 प्रजातियों को दर्ज किया गया और 18 नमूनों को परिरक्षित किया गया। कुंजियों, पुस्तकों और चित्रों की सहायता से शलभों का अभिज्ञान किया गया। शलभ डेटाबेस को 10 कुलों की 210 प्रजातियों के साथ अद्यतन किया गया।

- विभिन्न डिस्क स्थानों/दरों पर रिफाइनर का उपयोग करके पाइनपीट ब्लॉक तैयार किए गए। पाइनपीट ब्लॉकों के गुणधर्मों का विभिन्न मापदंडों यथा जल निकासी दर, पीएच, सीएसएफ मूल्य और जल निकासी समय के संबंध में मूल्यांकन किया गया। इस अवधि में घुलनशील ग्रेड लुगदी और नैनोसेल्यूलोज तैयार करने के लिए कच्चे माल (गन्ने की पिथरहित खोई) का अनुमानित रसायनिक विश्लेषण टीएपीपीआई मानक प्रोटोकॉल के अनुसार किया गया, जहां विभिन्न पहलुओं जैसे आर्द्र सामग्री (7.0%), ठंडे पानी में घुलनशीलता (1.78%), गर्म पानी में घुलनशीलता (4.25%), 1% NaOH घुलनशीलता (26.67%), क्लासन लिग्निन सामग्री (21.26%), निष्कर्षित (4.60%), राख (1.8%) होलोसेल्यूलोज (72.02%) और अल्फा सेल्यूलोज (40.18%) के साथ कच्चे माल की रसायनिक संरचना निर्धारित की गई। इस विश्लेषण के आधार पर गन्ने की पिथरहित खोई में लिग्निन और राख की मात्रा कम लेकिन पूरे गन्ना खोई की तुलना में उच्च अल्फा सेल्यूलोज सामग्री पाई गई। इसलिए कच्चा माल घुलनशील ग्रेड लुगदी और नैनोसेल्यूलोज की तैयारी के लिए उपयुक्त है जो प्रसंस्करण के अधीन है।
- अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना बीज परियोजना के अंतर्गत मैकिलस ओडोरैटिसिमा की आबादी का सर्वेक्षण किया गया और एसर पिक्टम के बीज एकत्र किए गए। इस बीजों की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जा रहा है। राष्ट्रीय-वन आनुवंशिक संसाधन-संरक्षण परियोजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के विभिन्न वन प्रभागों में मित्राज्ञना पर्विलोरा, जिंजीफस मॉरीशियाना और फाइकस बेंगलेंसिस के बीज एकत्र किए गए, और टर्मिनेलिया बेल्लिरिका, कॉर्डिया डाइकोटोमा, अल्बिजिया प्रोसेरा और एगल मार्मेलोस की जीपीएस अवस्थितियों को चिह्नित किया गया।
- ओईसीडी 423 दिशानिर्देशों का उपयोग करते हुए स्विस् एल्बिनो माइस पर क्यूप्रेसस टोरुलोसा सूचिकाओं और नियोलिटिसया पेलेंस के पर्णों के सगंध तेल की तीव्र विषाक्तता की जांच की गई और तेल पशुओं के भार के 300 मिग्रा/किग्रा से कम गैर विषैले तथा जीवे जैविक अध्ययन संचालन के लिए उपयुक्त पाए गए। सी. टोरुलोसा की सूचिकाओं से पृथक जलीय मेथनॉलिक (25%) सत्त की जांच अंडे की एल्ब्यूमिन विधि का उपयोग करके पात्रे गैर उत्तेजक गतिविधि के लिए की गई और इसे सकारात्मक नियंत्रण डाइक्लोफेनाक के साथ तुलनीय पाया गया।
- उत्तर प्रदेश के झांसी और ललितपुर से टर्मिनेलिया अर्जुन की दो आबादी के 49 अनुक्रमों से छाल के नमूने एकत्र किए गए, तथा इन आबादियों के चिह्नक सहायता प्राप्त रसायनिक जांच के लिए संसाधित किए गए। टर्मिनेलिया अर्जुन की छाल को अल्ट्रासोनिकेशन का उपयोग करके मेथनॉल के साथ वसा रहित किया गया तथा निष्कर्षित किया गया। चिह्नक यौगिक, अर्जुनिक अम्ल के वियोजन के लिए निर्वात के अंतर्गत विलायक को वाष्पित करने के बाद सत्त को विलग किया गया।
- हिमाचल प्रदेश के जीएचएनपी, कुल्लू से एकत्रित प्रिंसपिया यूटिलिस बीजों के वसायुक्त तेल को पृथक किया गया और इसकी मात्रा 30% निर्धारित की गई। सुक्री, उत्तरकाशी; बागी वन, शिमला; रिया वन,

मनाली कुल्लू और जीएचएनपी, कुल्लू नामक चार स्थानों के प्रिंसपिया यूटिलिस बीजों से पृथक वसायुक्त तेलों का अम्ल उत्प्रेरित ट्रांसएस्टरीफिकेशन किया गया और उनके वसायुक्त अम्ल मिथाइल एस्टर (एफएएमई) तैयार किए गए। इन एफएएमई का जीसी-एमएस द्वारा विश्लेषण किया गया और वसायुक्त तेलों की रसायनिक संरचना निर्धारित की गई।

- पुनिका ग्रेनोटम (पीजी) के छिलके से प्राकृतिक रंजक को विलग करने की विधि को बॉक्स बेकन डिजाइन का उपयोग करके अनुकूलित किया गया। पीजी को हिमशुष्कित कर पीसे गए छिलके को हेक्सेन के साथ वसा रहित किया गया और क्रमिक रूप से क्लोरोफॉर्म और 25% जलीय मेथनॉल के साथ अल्ट्रासोनिकेशन का उपयोग करके निकाला गया और सत्त को निर्वात के अंतर्गत विलायक को वाष्पित करने के बाद विलग किया गया।

## वन आनुवंशिक एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर

- केरिया आर्बोरिया की छाल से प्राकृतिक रंजक की अधिकतम मात्रा के निष्कर्षण के लिए इष्टतम स्थितियों जैसे एमएलआर, समय, तापमान और पीएच का मानकीकरण किया गया।
- नटादि पुष्पण के दौरान पश्चिमी एवं पूर्वी घाटों से बैम्बूसा बैम्बोस के बीज एकत्र किए गए। बीजों का उनकी जीवन क्षमता, अंकुरण, आर्द्रता मात्रा और विद्युत चालकता के लिए परीक्षण किया गया। फिर उन्हें हास दर का आकलन करने के लिए विभिन्न तापमानों (-80°C, -20°C, 20°C, 15°C, 10°C, 3°C और कंट्रोल के रूप में परिवेश) और पात्र (कागज, वस्त्र एवं प्लास्टिक की थेली) में संग्रहीत किया गया। जीवन क्षमता की अंतर्निहित हानि में प्रक्रिया का उपापचयी गतिविधियों में परिवर्तन के माध्यम से अध्ययन किया गया। अंतरिम परिणामों से प्रकट हुआ कि दो महीने के अंत में, कम तापमान पर संग्रहीत बीजों में हास दर कम थी। प्लास्टिक के पात्र कपड़े और पेपर बैग की तुलना में बेहतर जीवन क्षमता बनाए रखते हैं। जीवन क्षमता में उच्च हास वाले बीजों में अपचायी शर्करा स्तर अधिक पाया गया, जबकि जिन बीजों ने जीवन क्षमता बनाई रखी उनमें निम्न आरओएस गतिविधि के साथ कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का उच्च स्तर पाया गया।

## हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

हिमाचल प्रदेश की विभिन्न भौगोलिक अवस्थितियों से ट्रिलियम गोवानियनम के 27 स्रोतों का अभिज्ञान किया गया और आबादी के बीच डायोजेनेनिस सामग्री (मिग्रा/ग्रा) भिन्नता का अध्ययन किया गया तथा इसकी रेंज 0.033 से 2.03 मिग्रा/ग्रा थी। टी. गोवानियनम के लिए पौधशाला तकनीक और वानस्पतिक प्रवर्धन विधि विकसित की गई।

## परामर्श

भा.वा.अ.शि.प. ने अक्टूबर 2021 के दौरान 04 परामर्श परियोजनाओं के अंतर्गत निम्नानुसार कार्य किया:

1. मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, असम, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और बिहार (एनटीपीसी लिमिटेड, नोएडा) राज्यों में 10 मिलियन वृक्षों के

रोपण के एनटीपीसी त्वरित वनीकरण कार्यक्रम के अनुश्रवण की वार्षिक रिपोर्ट (वर्ष 2020-21) को अंतिम रूप दिया गया।

- पर्यावरण प्रबंधन योजना और बायोम, किरंदुल कॉम्प्लेक्स, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिला, छत्तीसगढ़ (एनएमडीसी लिमिटेड हैदराबाद) के तीन लौह अयस्क खनन पट्टों के उद्धार और पुनःस्थापना के संबंध में जमा 11ए एमएल बायोम को अंतिम रूप दिया गया।

- सीआईएल (कोल इंडिया लिमिटेड कोलकाता) की 35 खानों की पर्यावरण लेखा परीक्षा और पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक रैंकिंग के अंतर्गत एमसीएल, ओडिशा के अनंत और भरतपुर ओसीपी के ईए-ईपीआईआर कार्यों के लिए क्षेत्र दौरा किया गया।

- जॉन माइन (एमएल नंबर 2294) (मैसर्स आर. प्रवीण चंद्र, ईआरएम ग्रुप ऑफ कंपनीज चित्रदुर्ग जिला, कर्नाटक) में आर एंड आर योजना गतिविधियों के लिए एक सीजन डेटा के संग्रह के लिए क्षेत्र अध्ययन किया गया।

## कार्यशाला / संगोष्ठी / बैठकें

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
<b>वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून</b>			
1.	दीर्घकालिक अनुश्रवण और जल विज्ञान सेवाओं के माध्यम से भारतीय वनों पर जलवायु संचालित प्रभावों पर कार्यशाला	8 अक्टूबर 2021	-
2.	वन कीट विज्ञान पर वेबिनार	8 अक्टूबर 2021	व.अ.सं. सम विश्वविद्यालय के विद्यार्थी
3.	वन नाशीकीट और रोग प्रबंधन में जैव प्रौद्योगिकी उपागम पर वेबिनार	11 अक्टूबर 2021	-
<b>वन आनुवंशिक एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर</b>			
4.	अनुसंधान सलाहकार समिति समूह बैठक	8 अक्टूबर 2021	-
<b>वन उत्पादकता संस्थान, रांची</b>			
5.	पादप परिघटनाविज्ञान पर वेबिनार	4 अक्टूबर 2021	वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी और विद्यार्थी
6.	पॉपलर के कृतक जारी करने पर बैठक	25 अक्टूबर 2021	-



व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बतूर ने अनुसंधान सलाहकार समिति समूह बैठक का संचालन किया



व.उ.सं., रांची ने पादप परिघटनाविज्ञान पर वेबिनार का आयोजन किया

## प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
<b>भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून</b>			
1.	एसएलईएम (स्लेम) सर्वोत्तम पद्धतियों का उन्नयन	2 से 5 अक्टूबर 2021 4 से 14 अक्टूबर 2021 9 से 20 अक्टूबर 2021 15 से 19 अक्टूबर 2021 27 से 31 अक्टूबर 2021 28 से 31 अक्टूबर 2021	-
<b>वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून</b>			
2.	आजीविका सृजन हेतु कृषि वानिकी पद्धतियों का विकास	11 से 12 अक्टूबर 2021	किसान, गैर सरकारी संगठन, स्वयं सहायता समूह एवं अन्य हितधारक
3.	वनाग्नि अनुश्रवण और हानि का आकलन	21 से 22 अक्टूबर 2021	भा.व.से. अधिकारी
4.	मशरूम की खेती	23 अक्टूबर 2021	-
<b>वन आनुवंशिक एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर</b>			
5.	ट्री रिच बायोबूस्टर के विकास पर क्षमता निर्माण	1 अक्टूबर 2021	इरुलर जनजाति
<b>वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट</b>			
6.	खाद्य एवं औषधीय मशरूम की खेती	4 से 6 अक्टूबर 2021	भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों के तकनीकी कर्मचारी
7.	मशरूम की खेती एवं स्पॉन उत्पादन	4 से 6 अक्टूबर 2021	राज्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद्, मेघालय
8.	पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों की आजीविका के मुद्दों के समाधान हेतु वानिकी	28 से 29 अक्टूबर 2021	अन्य सेवाओं के कार्मिक

## हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- |    |                                                                                 |                     |                                                                                        |
|----|---------------------------------------------------------------------------------|---------------------|----------------------------------------------------------------------------------------|
| 7. | महत्वपूर्ण औषधीय पादपों की खेती: स्थानीय समुदायों की आय में वृद्धि का एक विकल्प | 5 से 6 अक्टूबर 2021 | शिक्षक, विद्यार्थी, पंचायत प्रतिनिधि, महिला मंडल, युवा क्लब के सदस्य, गैर सरकारी संगठन |
|----|---------------------------------------------------------------------------------|---------------------|----------------------------------------------------------------------------------------|

## वन उत्पाकदता संस्थान, रांची

- |    |                         |                       |        |
|----|-------------------------|-----------------------|--------|
| 8. | बांस बुनाई कला और तकनीक | 12 से 14 अक्टूबर 2021 | कारीगर |
|----|-------------------------|-----------------------|--------|



व.आ.वृ.प्र.से., कोयम्बतूर ने ट्री रिच बायोबूस्टर के विकास पर क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण आयोजित किया



व.व.अ.सं., जोरहाट ने खाद्य एवं औषधीय मशरूम की खेती पर प्रशिक्षण आयोजित किया



व.व.अ.सं., जोरहाट ने मशरूम की खेती एवं स्पॉन उत्पादन पर प्रशिक्षण आयोजित किया



हि.व.अ.सं., शिमला ने महत्वपूर्ण औषधीय पादपों की खेती: स्थानीय समुदायों की आय में वृद्धि का एक विकल्प पर प्रशिक्षण आयोजित किया

## समझौता ज्ञापन

- व.व.अ.सं. ने 21 अक्टूबर 2021 को जबलपुर स्थित कंपनी, प्रो एग्रो टेक के साथ पी.जी.पी.आर की सात किस्मों की आपूर्ति के लिए एक लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- व.व.अ.सं., जोरहाट ने 25 अक्टूबर 2021 को जोरहाट विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ कौशल विकास, परिणाम आधारित प्रशिक्षण और अन्य अनुसंधान एवं विकास क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- व.व.अ.सं. ने 28 अक्टूबर 2021 को वन विज्ञान केन्द्र, असम के विस्तार के लिए पर्यावरण एवं वन विभाग, असम सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- शु.व.अ.सं., जोधपुर ने 4 अक्टूबर 2021 को कालका माता पौधशाला, उदयपुर में वन विज्ञान केंद्र की स्थापना और अनुरक्षण हेतु उप वन संरक्षक, उदयपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।



व.व.अ.सं., जोरहाट ने जो.वि.प्रौ.सं., जोरहाट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए



शु.व.अ.सं., जोधपुर ने उप वन संरक्षक, उदयपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

## प्रकृति कार्यक्रम

विद्यार्थियों के मध्य प्रकृति और इसके संरक्षण के बारे में जागरूकता हेतु "ऑनलाइन नॉलेज सीरीज़- प्रकृति- नेचर कनेक्ट प्रोग्राम" के एक भाग के रूप में 23 अक्टूबर 2021 को "कैंसर का इलाज करने वाले औषधीय पादप" तथा 30 अक्टूबर 2021 को "क्वालिटी प्लांटिंग स्टॉक प्रोडक्शन एंड कल्टीवेशन ऑफ नियोलौमार्किंया कदम्बा" विषय पर क्यूब संगठन, सिंगनल्लूर, कोयंबतूर के सहयोग से वेबिनार की मेजबानी की गई। कार्यक्रम में कुल 45 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

## जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

- का.वि.प्रौ.सं., बंगलुरु ने वन विज्ञान, सतपाल गोवा के माध्यम से वालपोई में "काष्ठ संरक्षण तकनीक" और "औषधीय पादप" पर प्रौद्योगिकी प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया।
- व.अ.के.ई.पु., प्रयागराज ने 8 अक्टूबर 2021 को पडिला अनुसंधान पौधशाला, प्रयागराज में "वानिकी से उद्यमिता" पर एक प्रदर्शन-सह-प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।

## आकाशवाणी / दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी का प्रसार

कार्यक्रम विषय

चैनल

दिनांक

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

उच्च कोटि के मेलिया का प्लाईवुड के लिए उत्पादन- डॉ. अशोक कुमार, वैज्ञानिक- 'जी'

आकाशवाणी

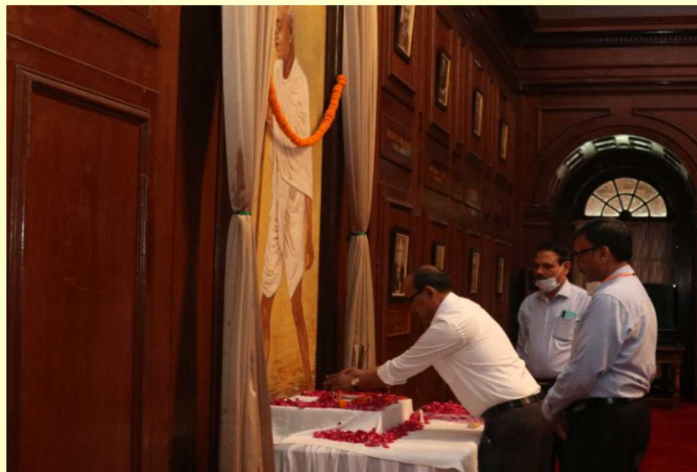
12 अक्टूबर 2021

अकाष्ठ वन उत्पादन आधारित विभिन्न इकाइयों उपक्रम: निवेश की सम्भावनाएँ- डॉ. नीलू सिंह, वैज्ञानिक- 'जी'

शहरी क्षेत्रों में वृक्षों की स्वास्थ्य समस्याएं एवं निदान— डॉ. अमित पाण्डेय, वैज्ञानिक—'जी'	आकाशवाणी	14 अक्टूबर 2021
पौधशाला के मुख्य रोग एवं उनका नियंत्रण— डॉ. शैलेश पाण्डेय, वैज्ञानिक—'डी'		
टिम्बर के लिए कोरिम्बिया हाइब्रिड का एग्रोफोरेस्ट्री में उत्पादन— डॉ. अजय ठाकुर, प्रमुख	आकाशवाणी	20 अक्टूबर 2021
कृषि वानिकी कीट एवं उनका जैविक नियंत्रण— डॉ. अरविंद कुमार, वैज्ञानिक—'ई'	आकाशवाणी	25 अक्टूबर 2021
वन कीटों का व्यावहारिक नियंत्रण— सुश्री जी.एस. उमा, वैज्ञानिक—'बी'		
वृक्षों के हानिकारक कीट और उनकी रोकथाम— डॉ. रंजीत सिंह, वैज्ञानिक—'जी'	आकाशवाणी	26 अक्टूबर 2021
वन्य पौधों से स्वास्थ्य एवं पर्यावरण अनुकूल रंग— डॉ. वाई.सी. त्रिपाठी, वैज्ञानिक—'एफ'		

## विविध

संस्थान	विशेष दिन/विषय	अवधि
भा.वा.अ.शि.प. एवं इसके संस्थान	गांधी जयंती	2 अक्टूबर 2021
भा.वा.अ.शि.प. एवं इसके संस्थान	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	26 अक्टूबर 2021
हि.व.अ.सं., शिमला	राष्ट्रीय एकता दिवस	31 अक्टूबर 2021



व.अ.सं., देहरादून में गांधी जयंती मनाई



व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बतूर ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया



व.उ.सं., रांची ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया



हि.व.अ.सं., शिमला ने राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया



## मानव संसाधन समाचार

### सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री नेत्र पाल सिंह, अनुभाग अधिकारी, व.अ.सं., देहरादून	31.10.2021
श्री अजय गुलाटी, मुख्य तकनीकी अधिकारी, व.अ.सं., देहरादून	31.10.2021
श्रीमती शालीनी भोक्ते, वैज्ञानिक – 'सी', उ.व.अ.सं., जबलपुर	31.10.2021

### स्थानान्तरण

अधिकारी का नाम	से	प्रति
डॉ. एस. सरवणन, वैज्ञानिक – 'एफ'	उ.व.अ.सं., जबलपुर	व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बतूर
सुश्री नीलू सिंह, वैज्ञानिक – 'एफ'	व.अ.सं., देहरादून	उ.व.अ.सं., जबलपुर
डॉ. सुरेंद्र सिंह बिष्ट, वैज्ञानिक – 'एफ'	का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	व.अ.सं., देहरादून
सुश्री श्रुति गोधरा, वैज्ञानिक – 'बी'	व.व.अ.सं., जोरहाट	व.अ.सं., देहरादून
सुश्री निबेदिता गुरु, वैज्ञानिक – 'बी'	व.अ.सं., देहरादून	व.व.अ.सं., जोरहाट

#### सरक्षक:

श्री अरुण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

#### संपादक मंडल:

डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक

श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार), सदस्य

#### प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।